

कोण किसै नै घरॉ बुलावै

कोण किसै नै घरॉ बुलावै, कोण किसे कै जावै रे
हर दाणे पै मोहर लागरी, कोण दाणा पाणी ल्यावै
कोण किसै नै घरॉ बुलावै.....

दाणा धरती म्ह पड़ ज्यासै, पड़ कै पेड़ बड़ा हो ज्यासै,
कित की धरती किट का दाणा कोण यो दाणा खावै
कोण किसै नै घरॉ बुलावै.....

घर आये का मान निभाणा, करके सेवा मत इतराणा,
कर्जा पिछले जन्म का तेरा, सुणले वो उतरावे
कोण किसै नै घरॉ बुलावै.....

घर आवणीया रूप प्रभु का, तू भी सुकर मनाले उसका,
सच्चे मन की सेवा प्यारे, अपणा असर दिखावै,
कोण किसै नै घरॉ बुलावै.....

दुर्योधन की त्याग मिठाई, विदुराणी घर चले कन्हवाई,
केलेया ऊपर मोहर लागरी, कह छिलके श्याम चबावै,
कोण किसै नै घरॉ बुलावै.....

कुमार सुनील फोक सिंगर
हिसार हरियाणा भारत
मोबाइल : 9812301662

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/9124/title/kaun-kise-ne-ghra-bhulaave-kaun-kise-ke-jaawe-re>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |